>

Title: Need to provide compensation to farmers as assessed by Central team for the loss of crops due to excessive rain in Amreli, Gujarat.

श्री नारनभाई कछाड़िया (अमरेली): अध्यक्ष महोदया, पिछले नवम्बर माह से गुजरात में अधिक वर्षा होने के कारण फसल का बहुत भारी नुकसान हुआ है। इन फसलों में सबसे ज्यादा कॉटन और मूंगफली का नुकसान हुआ। नवम्बर माह के आसपास का समय गेहूं और जीरा की बुआई का समय होता है। किसानों ने इन दोनों फसलों की बुआई की ही थी कि दो-चार दिन में गुजरात में जमकर वर्षा गई जिसके कारण ये दोनों फसलें मिट्टी में ही दबकर सड़ गई।...(व्यवधान) यहां तक कि किसानों ने पशुओं को खिलाने के लिए जो चारा इकट्ठा कर रखा था, वर्षा का पानी भर जाने के कारण वह भी सड़ गया।...(व्यवधान) इस नुकसान से पूरे गुजरात के किसानों को बहुत गहरा झटका लगा।...(व्यवधान) हमारे किसान भाइयों ने कर्ज लेकर पूरी फसल की बुआई की थी। अचानक भारी वर्षा के कारण फसल नष्ट हो जाने से गुजरात के किसान कर्ज में डूब गए जो चिन्ता का विषय है।...(व्यवधान) इसी दौरान संसद में मानसून सत्र का आरंभ हुआ और इस विषय को लेकर गुजरात के 12 एमपीज़ ने माननीय मंत्री श्री शरद पवार से बात की और गुजरात के नुकसान के बारे में उन्हें अवगत कराया, तो मंत्री जी ने आश्वासन दिया कि इस नुकसान को मैं केन्द्रीय टीम भेजकर जांच कराऊंगा और जांच करने के बाद किसानों के नुकसान का मुआवजा दिया जायेगा। ...(व्यवधान) दिनांक 29.12.2010 को मेरे क्षेत्र में जांच के लिए एक केन्द्रीय टीम आई.ए.एस मिस्टर अनिन्दो मजूमदार के हवाले से पहुंची और अमरेली के प्रभावित इलाके जैसे-अमरेली में देवलिया गांव और सावरकुण्डला में सिमरन गांव एवं ए.पी.एम.सी. सावरकुण्डला का दौरा किया।...(व्यवधान) इस दौरे में मैं स्वयं, जिला कलैक्टर एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण जांच के दौरान मौजूद थे। ...(व्यवधान) जांच के बाद केन्द्रीय टीम ने हुए नुकसान का जायजा लिया और दिनांक 30.12.2010 को हुए नुकसान का एक ऐस्टीमेट बजट बनाया जो निम्नलिखित है--.कृषि 491.46, मत्स्य उद्योग 1.02, नमक उद्योग 12.41, सड़क एवं भवन 29.70 यानी कुल 533.59 करोड़ रुपये।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री नारनभाई कछाड़िया : सर्वे में सबसे ज्यादा नुकसान कॉटन, मूंगफली, गेहूं एवं जीरे की फसलों में पाया गया। इसके बाद हमने केन्द्रीय टीम से चारों फसलों पर हुए नुकसान पर प्राथमिकता देने को कहा ताकि किसानों को कुछ हद तक राहत मिल सके।...(व्यवधान) जब से केन्द्रीय टीम जांच करके गई है, तीन माह होने को हैं लेकिन किसानों को मुआवजे के बारे में अब तक कोई सूचना नहीं मिली है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री नारनभाई कछाड़िया : मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि किसानों को जो मुआवजा मिलने वाला था, वह मिलेगा या नहीं? यदि हां, तो कब तक मिलेगा, यह बताएं?...(व्यवधान) माननीय कृषि मंत्री जी इस दिशा में जल्द से जल्द कदम उठाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब अपनी-अपनी सीटों पर वापिस जाइए।

â€¦(व्यवधान)